

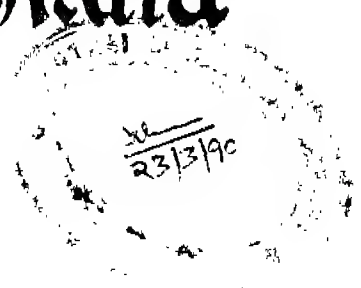


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 37] मई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 26, 1989/वीप 5, 1911
No. 37] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 26, 1989/PAUSA 5, 1911

इस भाग में भिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय रिजर्व बैंक
औद्योगिक और निर्यात ऋण विभाग)
(केन्द्रीय कार्यालय)

अविमूचना

वम्बई, 11 दिसम्बर, 1989

सं. औनि.क्र.वि. 1/87/(सॉपी)-89/90 :—जबकि मुद्रा
बाजार में प्रचलित स्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुप्रति-
ष्ठित कंपनी उधारकर्ताओं को वाणिज्यिक पत्र (कमिशियल
पेपर) के निर्गम द्वारा उनके अल्पकालीन उधार के स्रोतों
का विविधीकरण करने की अनुमति देना तथा निवेशकर्ताओं
के लिए एक अतिरिक्त वित्तीय निखन की व्यवस्था करना
आवश्यक समझा गया है और जबकि केन्द्रीय सरकार वाणि-
ज्यिक पत्र के निर्गम द्वारा जमा राशियों के स्वीकरण की
कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 58ए के प्रावधानों

से छूट देने के लिए इस शर्त के अधीन सहमत हुई है कि
वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से ऐसी जमा राशियां एकत्र
करना भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों द्वारा विनियमित
होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक इस बात से संतुष्ट होने पर कि
ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, एतद्वारा भारतीय
रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा
45 ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में उसे समर्थ
बनानेवाली सभी शक्तियों का प्रयोग करने हुए इसके द्वारा
विनिर्दिष्ट निर्देश देता है।

भाग I—प्रारम्भिक

1. निर्देशावली का संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

यह निर्देशावली "गैर-बैंकिंग कम्पनी (वाणिज्यिक
द्वारा जमा राशियों का स्वीकरण) निर्देशावली, 1989"
कहलायेगी। यह निर्देशावली पहली जनवरी 1990 से प्रमल

में आयेगी और इस निदेशावली में एनके प्रारंभ होने के दिनांक का उल्लेख होने पर उसका संबंध उक्त दिनांक से माना जाएगा ।

भाग II—निदेशावली का विस्तार

2. वाणिज्यिक पत्र सत्रधी निदेशों की प्रयोज्यता :

ये निदेश ऐसी प्रत्येक गैर-बैंकिंग कम्पनी पर लागू होंगे जो वाणिज्यिक पत्र के निर्गम द्वारा जमा राशियाँ एकत्र करती है ।

3. परिभाषाएं :

इन निदेशों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "बैंकिंग कम्पनी" से बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5 के खण्ड (ग) में यथापरिभाषित बैंककारी कम्पनी धारा 5 के क्रमशः खण्ड (घ-क), (ङ-ग) और (ड-घ) में यथापरिभाषित "तदनुसूची कोई नया बैंक, "भारतीय स्टेट बैंक" और "समनुषंगी बैंक" अभिप्रेत है तथा उस अधिनियम की धारा 56 के साथ पठित धारा 5 के खण्ड (गग 1) में यथापरिभाषित "सहकारी बैंक" इसमें सम्मिलित है ।

(ख) "कम्पनी" से भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 झ(क) में यथापरिभाषित कम्पनी अभिप्रेत है, परन्तु ऐसी कोई कम्पनी इसमें सम्मिलित नहीं की जाती जिसका समापन इस समय लागू किसी कानून के अंतर्गत किया जा रहा है;

(ग) "गैर-बैंकिंग कम्पनी" से बैंकिंग कम्पनी इनर कम्पनी अभिप्रेत है,

(घ) "कार्यशील पूंजीगत (निधि-आधारित) सीमा" से वे कुल सीमाएं अभिप्रेत होंगी जो रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित तरीके के अनुसार होंगी तथा जिनमें अधिकतम अनुमत बैंक वित्त और कार्यशील पूंजीगत मीयादी ऋण (डब्ल्यू.सी.टी.एल.), यदि कोई हो, पर आधारित कार्यशील पूंजीगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक या अधिक बैंकिंग कम्पनियों द्वारा मंजूरी प्राप्त बिलों की खरीदी/भुनाई के रूप में सीमाएं सम्मिलित होंगी, परन्तु इसमें साख-पत्रों/गारंटियों जैसी सुविधाएं, जहां अचल आस्तियां प्राप्त करने के लिए या परि-योजनागत वित्त-पोषण के भाग के रूप में निधियों का वास्तविक परिचय तथा ऋण सीमाएं स्वीकृत नहीं हैं, सम्मिलित नहीं होंगी ।

(च.) शर्तों जो शब्द और अभिव्यक्तियां, प्रयुक्त हैं, परन्तु परिभाषित नहीं हैं और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, (1934 का 2) में जो परिभाषित हैं, उनका अभिप्राय वही होगा जो उस अधिनियम में उनके लिए निर्धारित है । यदि कोई अन्य शब्द या अभिव्यक्तियां इसमें अथवा भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम (1934 का 2) में परिभाषित नहीं हैं तो उनका अभिप्राय वही होगा जो कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) में उनके लिए यथानिर्धारित है ।

4. वाणिज्यिक पत्र के निर्गम के लिए पात्रता :

कोई भी कम्पनी तब तक वाणिज्यिक पत्र जारी करने के लिए पात्र नहीं होगी जब तक वह निम्नलिखित अपेक्षाएं पूरी नहीं करती :

(i) नवीनतम लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार कंपनी की भौतिक निवल संपत्ति रु. 10 करोड़ से कम नहीं है ;

(ii) कम्पनी की कार्यशील पूंजीगत (निधि-आधारित) सीमा रु. 25 करोड़ से कम नहीं है ;

(iii) कम्पनी के शेयर एक या उससे अधिक शेयर बाजारों के पास सूचीबद्ध हैं, परन्तु यह शर्त किसी सरकारी कम्पनी के मामले में लागू नहीं होगी ;

(iv) कम्पनी समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित एजेंसी से विनिर्दिष्ट ऋण निर्धारण (क्रेडिट रेटिंग) प्राप्त करती है । ऋण निर्धारण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए एजेंसी के रूप में रिजर्व बैंक द्वारा प्रारंभ में भारतीय ऋण निर्धारण सूचना सेवा लिमिटेड (दी क्रेडिट रेटिंग इन्फरमेशन सर्विसेज आफ इंडिया लिमिटेड) को अनुमोदित किया गया है । वाणिज्यिक पत्र के निर्गम के लिए रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट भारतीय ऋण निर्धारण सूचना सेवा लिमिटेड (दी क्रेडिट रेटिंग इन्फरमेशन सर्विसेज आफ इंडिया लिमिटेड) का न्यूनतम ऋण निर्धारण पी 1+ होगा । वाणिज्यिक पत्र जारी करने समय कम्पनी यह सुनिश्चित करेगी कि उक्त रेटिंग प्रचलित है और दो महीनों से अधिक पुराना नहीं है ;

(v) कम्पनी का उधार खाता वित्तपोषक बैंकिंग कम्पनी (कम्पनियों) द्वारा स्थिति कूट सं. 1 की हैसियत के अंतर्गत वर्गीकृत है ;

(vi) समय-समय पर जारी किए गए रिजर्व बैंक के मागदर्शी सिद्धांतों के अनुसार चालू आस्तियों और चालू देयताओं के वर्गीकरण के आधार पर

कम्पनी नवीनतम लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार 1.33 : 1 का न्यूनतम चालू अनुपात बनाए रखता है।

स्पष्टीकरण :

इस पैराग्राफ के प्रयोजनों के लिए, "भौतिक निवल संपत्ति" से कम्पनी का नवीनतम लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार प्रदत्त पूँजी और निर्बंध प्रारक्षित निधियों (शेयर प्रीमियम खाते में जमा राशियों, पूँजी और डिविडेंड प्रतिदान प्रारक्षित निधियों तथा ऐसी किसी भी अन्य प्रारक्षित निधि सहित, जो किसी भावी देयता की चुकौती या आस्तियों के मूल्य-ह्रास या अशोध्य ऋणों के लिए नहीं बनायी गयी हो अथवा आस्तियों के पुनर्सूचन द्वारा निर्मित प्रारक्षित निधि न हो) अभिप्रेत हैं जिनमें से संचित हानि शेप, आस्थगित संचालन व्यय का शेप तथा अन्य अभौतिक आस्तियाँ घटायी गयी हों।

5. वाणिज्यिक पत्र की न्यूनतम और अधिकतम अवधि :

- (i) कोई भी वाणिज्यिक पत्र निर्गम की तारीख से तीन महीने से कम और छः महीनों से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जाएगा।
- (ii) वाणिज्यिक पत्र के भुगतान के लिए छूट की कोई अवधि नहीं होगी। यदि अवधि-समाप्ति की तारीख को छूटी हो तो कम्पनी तत्काल पूर्वगामी कार्यदिवस को भुगतान करने के लिए बाध्य होगी।
- (iii) वाणिज्यिक पत्र के प्रत्येक निर्गम (पुनर्निर्गम सहित) को नया निर्गम माना जाएगा और ऐसे प्रत्येक निर्गम के लिए रिजर्व बैंक का अनुमोदन आवश्यक है।

स्पष्टीकरण :

जहाँ निम्नलिखित पैराग्राफ 6(2) में बतायी गयी अपेक्षाओं के पालन के परिणामस्वरूप वाणिज्यिक पत्र की अवधि तीन महीनों से कम होती है वहाँ इन निदेशों के प्रयोजनों के लिए उसे तीन माह से अत्यन्त अवधि का वाणिज्यिक पत्र माना जाएगा।

6. वाणिज्यिक पत्र का मूल्ययग और न्यूनतम आकार :

- (i) वाणिज्यिक पत्र रु. 25 लाख के गुणजों में जारी किया जाए, परन्तु किसी भी एक निवेशकर्ता द्वारा निवेश की गई राशि रु. 1 करोड़ (अंकित मूल्य) से कम नहीं होगी; वगैरह कि गौण बाजार लेन-देन रु. 25 लाख अथवा उसके गुणजों की राशियों में हों।
- (ii) वाणिज्यिक पत्र के निर्गम के लिए अनुमोदित कुल राशि रिजर्व बैंक के अनुमोदन की तारीख से

दो सप्ताह की अवधि में एकत्र की जाएगी तथा वह एक ही दिनांक को अथवा अंशों में अलग-अलग दिनांकों को जारी किया जा सकता है, परन्तु शर्त यह होगी कि अंशों में अलग-अलग दिनांकों को जारी होने की स्थिति में प्रत्येक वाणिज्यिक पत्र की परिपक्वता की तारीख एक ही होगी।

7. वाणिज्यिक पत्र के निर्गम की राशि की उच्चतम सीमा :

वाणिज्यिक पत्र के निर्गम द्वारा एकत्र की जाने वाली कुल राशि कम्पनी की कार्यशील पूँजीगत (निधि-आधारित) सीमा के बीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

8. निर्गम का प्रकार और बट्टा दर :

वाणिज्यिक पत्र इसके साथ संलग्न अनुसूची I में विनिर्दिष्ट फार्म के अनुसार, पण्डांकन और हस्तांतरण द्वारा परफार्म मीयादी वचन-पत्र (प्रामिसरी नोट) के रूप में होगा तथा अंकित मूल्य पर ऐसे बट्टे सहित जारी किया जाएगा जो वाणिज्यिक पत्र जारी करने वाली कंपनी द्वारा निर्धारित की जा सकेगी।

9. निर्गम व्यय :

वाणिज्यिक पत्र जारी करने वाली कंपनी उक्त निर्गम के व्यय वहन करेगी जिनमें व्यापारियों का शुल्क, निर्धारण (सेटिंग) एजेंसी का शुल्क और ऐसे निर्गम से संबद्ध कोई अन्य संबंधित प्रभार एवं निम्नलिखित पैराग्राफ 12 के अनुसार सहायक सुविधाएं प्रदान करने के लिए बैंकिंग कंपनी द्वारा वसूल किए जाने वाले प्रभार सम्मिलित होंगे।

10. वाणिज्यिक पत्र के निवेशकर्ता और पण्डांकन :

- (i) वाणिज्यिक पत्र व्यक्तियों, बैंकों, कंपनियों और भारत में पंजीकृत या निगमित अन्य कंपनी निकायों और अनिगमित निकायों सहित किसी भी व्यक्ति को जारी किया जा सकता है :

वगैरह कोई भी वाणिज्यिक पत्र अनिवार्य भारतीय (एन आर आई) को अप्रत्यावर्तन के आधार से भिन्न किसी अन्य आधार पर और इस शर्त को छोड़कर कि वह हस्तांतरणीय नहीं होगा, किसी अन्य शर्त के अधीन नहीं जारी किया जाएगा।

- (ii) अनिवासी भारतीय (एन. आर. आई.) को जारी किए गए वाणिज्यिक पत्र पर अप्रत्यावर्तनीयता और अहस्तांतरणीयता में संबंधित शर्तें निर्दिष्ट की जाएंगी।

स्पष्टीकरण :

उक्त अभिव्यक्ति “अनिवासी भारतीय” (नान-रेजिडेन्ट इण्डियन) का अर्थ यही होगा जो विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 की धारा 9 के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की गई दिनांक 9 अक्टूबर 1989 की अधिसूचना सं. फेरा 85/89-आर बी में उसके लिए निर्दिष्ट किया गया है ।

11. वाणिज्यिक पत्र के निर्गम की प्रक्रिया :

- (i) वाणिज्यिक पत्र जारी करने के लिए प्रस्ताव करने वाली प्रत्येक कंपनी ऋण निर्धारण एजेंसी द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र के साथ कार्यशील पूंजीगत सुविधा हेतु सहायता-संघ व्यवस्था के प्रमुख के रूप में नामित बैंकिंग कंपनी को अनुसूची-II के रूप में इसके साथ संलग्न फार्म में आवेदन प्रस्तुत करेगा ।
- (ii) ऐसी कंपनी से वाणिज्यिक पत्र के निर्गम के लिए आवेदनपत्र प्राप्त होने पर सत्यापन करने के बाद बैंकिंग कंपनी इस बात में संतुष्ट होने की स्थिति में कि कंपनी वाणिज्यिक पत्र जारी करने के लिए पात्र है, ऋण निर्धारण एजेंसी द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र के साथ आवेदन प्राप्त होने की तारीख से एक सप्ताह के अंदर उक्त आवेदन रिजर्व बैंक को भेज देगा ।
- (iii) रिजर्व बैंक एक निर्दिष्ट तारीख तक वाणिज्यिक पत्र के निर्गम हेतु प्राप्त सभी आवेदनों पर विचार करने के बाद प्रत्येक पात्र कंपनी को, मुद्रा बाजार में प्रचलित स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, वाणिज्यिक पत्र जारी करने के लिए राशि का आवंटन करेगा; परंतु शर्त यह होगी कि यदि रिजर्व बैंक की राय में विशेष पर मुद्रा बाजार की स्थिरता या विकास में वाणिज्यिक पत्र के निर्गम से सहायता नहीं मिल सकती, तो वह किसी भी आवेदन को अस्वीकार कर सकता है अथवा आवेदित राशि का केवल एक भाग ही स्वीकार कर सकता है ।
- (iv) रिजर्व बैंक जारी किए जाने वाले वाणिज्यिक पत्र की राशि के आवंटन का निर्णय अनुमोदित निर्गम के विषय में बैंकिंग कंपनी/जारी करने वाली कंपनी द्वारा अनुपालन हेतु अपेक्षित अन्य नियम एवं शर्तों, यदि कोई हों, निर्दिष्ट करते हुए लिखित रूप में सम्बन्धित बैंकिंग कंपनी को सूचित करेगा ।
- (v) प्रत्येक कंपनी, वाणिज्यिक पत्र जारी करने के लिए अनुमोदन प्राप्त होने पर, उक्त निर्गम को निजी तौर पर प्रस्तुत करने के लिए व्यवस्था करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वाणिज्यिक

पत्र का निर्गम, अनुमोदित रूप में, रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित होने की तारीख से दो सप्ताह की अवधि के भीतर पूरा किया जाता है ।

- (vi) वाणिज्यिक पत्र में निवेश करने वाला प्रारंभिक निवेशकर्ता वाणिज्यिक पत्र का बट्टागत मूल्य बैंकिंग कंपनी/प्रमुख के पास स्थित जारी करने वाली कंपनी के खाने में रेखित आदाता लेखा (अकाउन्ट पेई) चेक द्वारा अदा करेगा ।
- (vii) जब कब बार निर्गम बाजार में वास्तव में प्रस्तुत किया जाता है तब वाणिज्यिक पत्र जारी करने वाली प्रत्येक कंपनी की कार्यशील पूंजीगत (निधि-आधारित) सीमा बैंकिंग कंपनी/प्रमुख द्वारा तदनु रूप कम कर दी जाएगी तथा बैंकिंग कंपनी प्रमुख क्रमशः बैंकिंग कंपनी/अन्य सदस्य बैंकिंग कंपनियों के पास स्थित ऐसी कंपनी के खाते में आवश्यक समायोजन करेगी/करेगा । चूंकि वाणिज्यिक पत्र का सृजन ऐसी कंपनी की सम्बन्धित बैंकिंग कंपनियों के पास स्थित कार्यशील पूंजीगत (निधि-आधारित) सीमा में से किया जाता है, अतः वाणिज्यिक पत्र के निर्गम द्वारा उसकी समग्र अल्पकालीन उधार सुविधाओं में कोई वृद्धि नहीं होगी ।
- (viii) वाणिज्यिक पत्र जारी करने वाली प्रत्येक कंपनी रिजर्व बैंक को बैंकिंग कंपनी/प्रमुख के माध्यम से रिजर्व बैंक के अनुमोदन के अनुसरण में वास्तव में जारी की गई वाणिज्यिक पत्र की राशि निर्गम की समाप्ति की तारीख से तीन दिनों के अंदर सूचित करेगी ।

12. बैंकिंग कंपनियों के सहायक (स्टैण्ड बाय) सुविधा :

वाणिज्यिक पत्र जारी करने वाली कंपनी, अवधि समाप्ति के बाद, वाणिज्यिक पत्र की देयता वहन करने हेतु सम्बन्धित बैंकिंग कंपनी/प्रमुख से निर्गम की राशि से अनधिक राशि के लिए सहायक (स्टैण्ड बाय) सुविधा प्रदान करने का अनुरोध कर सकती है । जहां सहायक सुविधा की व्यवस्था की गई है, वहां यदि वाणिज्यिक पत्र का पुनर्निर्गम नहीं होता है तो ऐसी कंपनी उक्त बैंकिंग कंपनी और अन्य सदस्य बैंकिंग कंपनियों के पास स्थित कार्यशील पूंजीगत (निधि-आधारित) सीमा का सहारा ले सकती है ।

13. वाणिज्यिक पत्र की हामीदारी या सह-स्वीकृति पर प्रतिबंध :

किसी भी कंपनी का वाणिज्यिक पत्र के निर्गम के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई भी हामीदारी अथवा सह-स्वीकृति प्राप्त करने का अनुमति नहीं होगी ।

14. वाणिज्यिक पत्र का भुगतान :
वाणिज्यिक पत्र के परिपक्व होने पर वाणिज्यिक पत्र का धारक जारी करने वाली कम्पनी को भुगतान के लिए उक्त प्रपत्र प्रस्तुत करेगा।

15. अतिरिक्त प्रलेखन :
वाणिज्यिक पत्र जारी करने वाली प्रत्येक कम्पनी ऐसे अतिरिक्त प्रलेख निष्पादित करेगी और ऐसी पूर्व-सावधानी

वरनेगी जैसा कि संबंधित बैंकिंग कम्पनी/प्रमुख द्वारा समय-समय पर अपेक्षित होगा।

16. जहां तक इन निर्देशों के अनुसार वाणिज्यिक पत्र के निर्गम के द्वारा जमा राशियों की स्वीकृति से गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी का सम्बन्ध है, गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1977 में निहित कोई भी बात किसी भी गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी पर लागू नहीं होगी।

सत्यानन्द बगई, कार्यपालक निदेशक

अनुसूची--I

परकाम्य वाणिज्यिक पत्र (कर्मणियत पेपर)

जिस राज्य में इसे जारी किया जाता है उस राज्य में लागू नियमों के अनुसार स्टाम्प-

(जारी करने वाली कम्पनी का नाम)

इसकी लगवा जाए।

क्रम सं. ए

-----में जारी किया गया। जारी करने की तारीख ----- छुट के दिनों को छोड़कर अवधि-
(स्थान)

समाप्ति की तारीख : ----- (यदि उस तारीख को छुट्टी हो तो भुगतान तत्काल पूर्वगामी कार्यदिवस को किया जाएगा)।

-----एतद्वारा प्राप्त मूल्य के लिए -----को
(जारी करने वाली कम्पनी का नाम) (निवेशकर्ता का नाम)

अथवा आदेश पर ऊपर यथानिर्दिष्ट अवधि-समाप्ति की तारीख को यह वाणिज्यिक पत्र ----- (निर्गमकर्ता और अदाकर्ता एजेंट का नाम)

को प्रस्तुत और अम्यपित करने पर रु. ----- (शब्दों में) ----- राशि अदा करने का वचन देते हैं।
-----के लिए और उनकी ओर से।

(जारी करने वाली कम्पनी का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

एस वाणिज्यिक पत्र पर सभी पृष्ठान्त स्पष्ट और सुव्यवस्थित होने चाहिए। प्रत्येक पृष्ठान्त निर्धारित स्थान के अंदर ही लिखा जाए।

1. -----को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

-----के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

2. -----का अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

-----के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

3. _____को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

_____के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

4. _____को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

राशि अदा करें।

_____के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

5. _____को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

_____के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

6. _____को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

_____के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

7. _____को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

_____के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

8. _____को अथवा आदेश पर इसमें उल्लिखित राशि अदा करें।

(हस्तांतरी का नाम)

_____के लिए और उसकी ओर से

(हस्तांतरणकर्ता का नाम)

प्रमाण पत्र

हम एषद्वारा प्रमाणित करते हैं कि हमने _____के नाम से _____

दिनांक _____वाले संलग्न वाणिज्यिक पत्र के निष्पादकों के हस्ताक्षर सत्यापित किये हैं और वे _____

_____द्वारा दाखिल किए गए नमूना हस्ताक्षरों से मेल खाते हैं।

(जारी करने वाली कंपनी का नाम)

स्थान : _____

दिनांक : _____

(प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता)

(महान्यायक मंडल के प्रमुख/वित्तपोषक
वैकिंग कंपनी का नाम)

अधिसूची-II

गोपनीय

वाणिज्यिक पत्र के निर्गम हेतु जारी करने वाली कंपनी द्वारा अनुमोदन प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदन का प्रोफार्मा

सहायता-संघ के प्रमुख के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा—

क. जारी करने वाली कंपनी के लिए

सेवा में :

मुख्य अधिकारी,

औद्योगिक और निर्यात ऋण विभाग,

भारतीय रिजर्व बैंक,

केन्द्रीय कार्यालय,

बंबई-400 023

प्रिय महोदय;

वाणिज्यिक पत्र-जारी करने का कार्यक्रम

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 11 दिसम्बर 1989 को जारी की गयी तथा समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं. आइ ई सी डी.1 के निदेशों के अनुसार हम आपके अनुमोदनार्थ नीचे दिए गए व्यौरे के अनुसार वाणिज्यिक पत्र जारी करने हेतु आपकी अनुमति के लिए अनुरोध करते हैं :

(1) निर्गमकर्ता का नाम

(2) पंजीकृत कार्यालय और पता

(3) क्या निर्गमकर्ता विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा) के अंतर्गत समाविष्ट कंपनी है ?

(4) व्यावसायिक गतिविधि

(5) शेयर बाजार/बाजारों का/के नाम जिसके/जिनके पास कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हैं (मरकागी कंपनियों पर लागू नहीं है)

(6) नवीनतम लेखा-परीक्षित तुलनपत्र के अनुसार भौतिक निवल संपत्ति (प्रतिलिपि संलग्न)

(क) जारी करने के लिए प्रस्तावित वाणिज्यिक पत्र की राशि (अंकित मूल्य)

(ख) निर्गम की अवधि

(दी क्रेडिट रेटिंग इन्फरमेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड (सी आर आइ एस आइ एल) अथवा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य एजेंसी से प्राप्त निश्रीरंग (रेटिंग) (निश्रीरंग प्रमाणपत्र की एक प्रति संलग्न की जाए)

कृते और की ओर से

(जारी करने वाली कंपनी का नाम)
प्राधिकृत हस्ताक्षर

ख. निर्गमकर्ता के बैंक उपयोग हेतु वह प्रमाणित किया जाता है कि

- (1) उपर्युक्त आवेदनपत्र में निर्गमकर्ता कम्पनी द्वारा प्रस्तुत व्यौरों का बैंक के अभिलेखों से यथासंभव सत्यापन कर लिया गया है और वे हर तरह से सही हैं।
- (2) निर्गमकर्ता कम्पनी ने बैंक/व्यापारी ----- के साथ एजेंसी व्यवस्था के लिए करार (नाम) किया है जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ (क) रिजर्व बैंक के अनुमोदन हेतु इसके माथू प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत वाणिज्यिक पत्र के अधिप्रमाणन, निर्गम और सुपुर्दगी, (ख) निर्गम प्राप्तियों के समायोजन की व्यवस्था तथा (ग) वाणिज्यिक पत्र की अवधि समाप्त होने पर उसके धारक/धारकों को चुकीसी से संबंधित प्रावधान सम्मिलित है।
- (3) निर्गमकर्ता कम्पनी अपने वाणिज्य लेखों प्रस्तुत करने में तत्पर है और वाणिज्य लेखा समीक्षा करने में अनुचित विलंब नहीं करती है।
- (4) कम्पनी की कार्यशील पूंजीगत (निधि-आधारित) सीमाएं कुल रु. ----- की हैं जिनकी ----- को बैंक/सहायता-संग के प्रमुख द्वारा अंतिम समीक्षा की गयी थी। (दिनांक)
- (5) कम्पनी की वित्तीय स्थिति अद्यतन लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार ----- नामु अनुपात को देखते हुए संतोषजनक है।
- (6) कम्पनी के सभी उधार खाने संतोषजनक रूप में परिचालित किए जाते हैं तथा उक्त खाते, जिनकी ----- को अंतिम समीक्षा की गई थी, रिजर्व बैंक के वर्गीकरण के अनुसार स्थिति कूट सं. 1 की हैमियत दिनांक के अंतर्गत वर्गीकृत किए गए हैं।
- (7) निर्गम के संबंध में किसी सहायक-सुविधा की व्यवस्था नहीं की गई है/निर्गम के संबंध में रु. ----- करोड़ की सहायक सुविधा की व्यवस्था करना स्वीकार किया गया है। ----- के लिए और उनकी ओर से (बैंक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

RESERVE BANK OF INDIA
(INDUSTRIAL & EXPORT CREDIT
DEPARTMENT)
(CENTRAL OFFICE)
NOTIFICATION

Bombay, the 11th December, 1989.

No.IECD 1/87(CP)-89/90:—Whereas, having regard to the development of the money market, it is considered desirable to allow highly rated corporate borrowers to diversify their sources of short term borrowing by issue of commercial paper and also provide an additional financial instrument to investors. And whereas the Central

Government has agreed to exempt the acceptance of deposits by issue of commercial paper from the provisions of Section 58A of the Companies Act, 1956, subject to the condition that raising of such deposits through commercial paper is regulated by the directions of the Reserve Bank of India.

The Reserve Bank of India, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby, in exercise of the powers conferred by Section 45K of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and all the powers enabling it in this behalf gives the directions hereinafter specified.

Part - I -Preliminary

1. Short title and commencement of the directions :

These Directions shall be known as the 'Non-Banking Companies (Acceptance of Deposits through Commercial Paper) Directions, 1989'. They shall come into force with effect from 1 January 1990 and any reference in these Directions to the date of commencement thereof shall be deemed to be a reference to that date.

Part II -Extent of the Directions

2. Applicability of directions to commercial paper :

These Directions shall apply to every non-banking company which raises deposits by issuing commercial paper.

3. Definitions :

In these Directions, unless the context otherwise requires ---

(a) "banking company" means a banking company as defined in clause (c) of Section 5, a "corresponding new bank", "State Bank of India" and "subsidiary bank" as defined respectively in clause (da), (n-c) and (n-d) of section 5 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) and includes a "co-operative bank" as defined in clause (cci) of Section 5 read with Section 56 of that Act;

(b) "company" means a company as defined in section 45I(a) of the Reserve Bank of India, Act, 1934 (2 of 1934) but does not include a company which is being wound up under any law for the time being in force;

(c) "non-banking company" means a company other than a banking company;

(d) "working capital (fund-based) limit" shall mean the aggregate limits including those by way of purchase/discount of bills sanctioned by one or more banking companies for meeting the working capital requirements based on the maximum permissible bank finance, as also working capital term loans (WCTL), if any, in

the manner stipulated by the Reserve Bank but shall not include facilities such as letters of credit/guarantees where there is no actual outlay of funds as well as credit limits sanctioned for acquisition of fixed assets or as part of project financing.

(e) Words and expressions used but not defined herein and defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall have the same meaning as assigned to them in that Act. Any other words or expressions not defined herein or in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall have the meaning as assigned to them in the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

4. Eligibility for issue of commercial paper :

No company shall be eligible to issue commercial paper unless it satisfies the following requirements :

(i) The tangible net worth of the company is not less than Rs.10 crores as per the latest audited balance sheet;

(ii) Working capital (fund-based) limit of the company is not less than Rs. 25 crores;

(iii) Shares of the company are listed on one or more stock exchanges, provided that in the case of a Government company, this stipulation shall not be applicable;

(iv) The company obtains the specified credit rating from an agency approved by the Reserve Bank for the purpose from time to time. The Credit Rating Information Services of India Ltd. (CRISIL) has been approved by the Reserve Bank as the agency for issuing the credit rating certificate. The minimum credit rating of CRISIL specified by Reserve Bank for issue of commercial paper shall be P1+. At the time of issue of commercial paper the company shall ensure that the rating is current and not more than two months old.

(v) The borrowal account of the company is classified under Health Code No. 1 status by financing banking company/ companies.

(vi) As per the latest audited balance sheet the company maintains a minimum current ratio of 1.33:1 based on the classification of current assets and current liabilities as per the Reserve Bank's guideline, issued from time to time.

Explanation :

For the purposes of this paragraph, "tangible net worth" shall mean the paid-up capital plus free reserves (including balances in the share premium account, capital and debentures redemption reserves and any other reserve not being created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debts or reserve created by revaluation of assets) as per the latest audited balance sheet of the company, as reduced by the amount of accumulated balance of loss, balance of deferred revenue expenditure, as also other intangible assets.

5. Minimum and maximum period of commercial paper

(i) No commercial paper shall be issued for a period less than three months and more than six months from [the date of issue.

(ii) There shall be no grace period for payment of commercial paper. If the maturity date happens to be a holiday, the company shall be liable to make payment on the immediate preceding working day.

(iii) Every issue of commercial paper (including rollover) shall be treated as a fresh issue and the approval of the Reserve Bank is necessary for each such issue.

Explanation :

Where as a result of compliance with the requirements stated in paragraph 6(ii) below, the usance of commercial paper falls short of three months, it shall be deemed to be a commercial paper for not less than three months for the purposes of these Directions.

6. Denomination and minimum size of commercial paper :

(i) The commercial paper may be issued in multiples of Rs. 25 lakhs but the amount to be invested by any single investor

shall not be less than Rs. 1 crore (face value):

Provided that the secondary market transactions may be for amounts of Rs. 25 lakhs or multiples thereof.

(ii) The total amount approved for issue of commercial paper shall be raised within a period of two weeks from the date of Reserve Bank's approval and may be issued on a single date or in parts on different dates provided that in the latter case each commercial paper shall have the same maturity date.

7. Ceiling on amount of issue of commercial paper :

The aggregate amount to be raised by issue of commercial paper shall not exceed twenty per cent of the company's working capital (fund-based) limit.

8. Mode of issue and discount rate :

The commercial paper shall be in the form of usance promissory note negotiable by endorsement and delivery as per the form specified in Schedule I hereto and be issued at such discount to face value as may be determined by the company issuing the commercial paper.

9. Issue expenses:

A company issuing commercial paper shall bear the expenses of the issue including dealers' fees, rating agency fee and any other relevant charges connected with such issue as well as the charges levied by the banking company for providing stand-by facilities as per paragraph 12 below.

10. Investors in Commercial Paper and Endorsement :

(i) Commercial paper may be issued to any person, including individuals, banks, companies and other corporate bodies registered or incorporated in India and incorporated bodies;.

Provided that no commercial paper shall be issued to a non-resident Indian (NRI)

except on non-repatriation basis and except subject to the condition that it shall not be transferable.

- (ii) The conditions regarding non-repatriability and non-endorsability shall be indicated on the commercial paper issued to NRI.

Explanation :

The expression "Non-Resident Indian" shall have the same meaning assigned to it in the Notification No.FERA 85/89-RB dated 9 October 1989 issued by the Reserve Bank of India under Section 9 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1979.

11. Procedure for issue of commercial paper :

- (i) Every company proposing to issue commercial paper shall submit in the form annexed hereto as Schedule II, as modified from time to time by the Reserve Bank, an application to the banking company/the banking company designated as leader of the consortium arrangement (the leader) for working capital facility, together with the certificate issued by the credit rating agency
- (ii) On receipt of the application for issue of commercial paper from such company, the banking company/the leader, if on verification it is satisfied that the company is eligible for issuing commercial paper, shall forward the application to the Reserve Bank within one week of the receipt of the application together with the certificate issued by the credit rating agency.
- (iii) The Reserve Bank may, after considering all the applications for issue of commercial paper received upto a specified date, allot to each eligible company such amount for issue of commercial paper as may be decided having regard to the conditions in the money market:

Provided that the Reserve Bank may not allow any application or allow only a part of the amount applied for if it is of the opinion that the issue of commercial paper may not be conducive to the stability of the money market at the relevant time.

- (iv) The Reserve Bank will communicate the decision of allotment of the amount of commercial paper to be issued, to the banking company/the leader indicating other terms and conditions, if any to be complied with by the banking company/the leader/the issuing company with the approved issue.

- (v) Every company shall, on receipt of the approval to issue the commercial paper, make arrangements for privately placing the issue and ensure that the issue of commercial paper, as approved, is complete within the period of two weeks from the date of the Reserve Bank's approval.

- (vi) The initial investor in commercial paper shall pay the discounted value of the commercial paper by means of a crossed account payee cheque to the account of the issuing company with the banking company/the leader.

- (vii) The working capital (fund-based) limit of every company issuing the commercial paper shall be correspondingly reduced by the banking company/the leader, once the issue is actually placed in the market and the banking company/the leader shall make necessary adjustments in the account of such company respectively with the banking company/the other member banking companies. As the commercial paper will be carved out of the working capital (fund-based) limit of such company with the concerned banking companies, by issue of commercial paper, there shall be no increase in its overall short-term borrowing facilities.

- (viii) Every company issuing commercial paper shall advise the Reserve Bank through the banking company/the leader, the amount of commercial paper actually issued in pursuance of the Reserve Bank's approval, within three days from the date of completion of issue.

12. Stand-by facility with banking companies :

A company issuing commercial paper may request the banking company/the leader to provide stand-by facility for an amount not exceeding

the amount of issue for meeting the liability of commercial paper on maturity. Where stand-by facility has been arranged for, such company may fall back on the working capital (fund-based) limit with the banking company and other member banking companies, if there is no roll-over of commercial paper.

13. Prohibition against underwriting or co-acceptance of issue of commercial paper:

No company shall have the issue of commercial paper underwritten or co-accepted in any manner whatsoever.

14. Payment of commercial paper :

On majority of commercial paper, the holder of the commercial paper shall present the instrument for payment to the issuing company.

15. Additional documentation:

Every company issuing commercial paper shall execute such additional documents and take such precautions as may be required from time to time by the concerned banking company/the leader

16. Nothing contained in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977, shall apply to any non-banking financial company insofar as it relates to acceptance of deposit by issue of commercial paper, in accordance with these Directions.

Schedule I

NEGOTIABLE COMMERCIAL PAPER

(NAME OF THE ISSUING COMPANY)

Stamp duty to be affixed as in force in the State in which it is to be issued.

SERIAL NO.....

Issued at :.....
(PLACE)

Date of Issue :.....

Date of Maturity :.....without days of grace.

(If such date happens to fall on a holiday, payment shall be made on the immediate preceding working day).

For value received.....hereby pro-

(NAME OF THE ISSUING COMPANY)

mises to pay.....or order on the maturity date as specified above the sum
(NAME OF THE INVESTOR)

of Rs.....(in words) upon presentation and surrender of this Commercial Paper at.....

(NAME OF THE ISSUING AND PAYING AGENT)

For and on behalf of.....

(NAME OF THE ISSUING COMPANY)

AUTHORISED SIGNATORY

AUTHORISED SIGNATORY

ALL ENDORSEMENTS UPON THIS COMMERCIAL PAPER MUST BE CLEAR AND DISTINCT.

EACH ENDORSEMENT SHOULD BE WRITTEN WITHIN THE SPACE ALLOTTED.

1. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

2. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR.)

3. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

4. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

5. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

6. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

7. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

8. Pay to.....or order the amount within named.
(NAME OF THE TRANSFEREE)

For and on behalf of.....
(NAME OF THE TRANSFEROR)

Certificate

We hereby certify that we have verified the signatures of the executants of the attached Commercial Paper bearing Sr. No.....dated.....for Rs.....(in words) which tally with the specimen signatures filed by.....

(Name of the Issuing Company)

Place

Date

(Authorised Signatory/Signatories)

(Name of the leader of the consortium/
financing banking company)

Schedule II

Confidential

Proforma of application to be submitted
by the Issuing Company (Issuer) seeking
approval for issue of Commercial Paper.

To be submitted through consortium
leader/financing banking company

A. For Issuing Company

To

The Chief Officer,
Industrial & Export Credit Department,
Reserve Bank of India,
Central Office,
Bombay 400 023.

Dear Sir,

Commercial Paper--Programme of Issue

In terms of the Directions issued by the Reserve Bank vide Notification No. IECD 1/87(CP)-89/90 dated 11 December 1989 as amended from time to time, we request permission to issue Commercial Paper as per details furnished hereunder for your approval.

- (i) Name of the Issuer
- (ii) Registered Office and address
- (iii) Whether Issuer is a FERA company :
- (iv) Business activity :
- (v) Name/s of the Stock Exchange/s with whom
shares of the company are listed (not appli-
cable to Government companies) :
- (vi) Tangible net worth as per latest audited
balance sheet (copy enclosed) :

- (vii) (a) Amount of Commercial Paper proposed to be issued (Face Value) :
 (b) Tenor (Period) of issue :
 (viii) Rating obtained from the Credit Rating Information Services of India Ltd. (CRISIL) or any other agency approved by the Reserve Bank (A copy of the rating certificate should be enclosed)

For and on behalf of

.....
 (Name of the issuing company)

Authorised Signatory

B. For use of the Issuer's Bank

It is certified that

- (i) The particulars furnished by the Issuing Company (company) in the above application have been verified to the extent possible from the records of the bank and are correct in all respects.
- (ii) The company has entered into an agreement with the bank/dealer.....for
 (Name)
 agency arrangements which, inter alia, provide for (a) authentication, issue and delivering of Commercial Paper under the programme submitted here with for approval of the Reserve Bank; (b) arrangement for adjustment of issue proceeds; and (c) payment to the holder/s of Commercial Paper of maturity thereof.
- (iii) The company is prompt in submission of its annual accounts and there is no under delay in carrying out the annual review of accounts.
- (iv) The company enjoys working capital (fund-based) limits aggregating Rs which were last reviewed by the bank/consortium leader on.....
 (date)
- (v) The financial position of the company is satisfactory with current ratio at..... as per the latest audited balance sheet.
- (vi) All borrowal accounts of the company are operate satisfactorily and the accounts as last reviewed onhave been classified under Health Code No.1 status as per
 (date)
 the Reserve Bank's classification.
- (vii) No standby facility has been provided in respect of the issue/Standby facility for Rs crores has been agreed to be provided in respect of the issue.

For and on behalf of.....

(NAME OF THE BANK)

AUTHORISED SIGNATORY/SIGNATORIES.

